रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
रविवार, 31 मार्च 2019, बरेली, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

‘भविष्य में रोबोटिक सर्जरी का बढ़ेगा चलन’

शनिवार को श्री राममूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में चल रहे लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के फेलोशिप कोर्स में चिकित्सकों ने चर्चा की। • हिन्दुस्तान

श्री राममूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में चल रहे लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के फेलोशिप कोर्स के दूसरे दिन रोबोटिक सर्जरी पर चर्चा हुई। डा. दीप गोयल ने बताया कि भविष्य में रोबोटिक सर्जरी का चलन बढ़ेगा। आंतों के कैंसर में तो यह राम-बाण है क्योंकि जो कैंसर कोशिकाएं आंख से नहीं दिखतीं, उनको रोबोटिक सर्जरी में 10 गुना बड़ा देखा जा सकता है।

जीएमसीएच चंडीगढ़ से आए डा. अश्वनी कुमार दलाल ने लैप्रोस्कोपिक सर्जरी से हर्निया के ऑपरेशन में मैश के उपयोग के बारे में बताया। गुरुग्राम की महिला सर्जन डा. मीनाक्षी शर्मा ने दो सत्रों में हार्निया जैसी प्रमुख सर्जरी पर व्याख्यान दिया। अहमदाबाद से आए डा. सुनील पोपट ने हिवाटल हार्निया के बारे में जानकारी दी। मुम्बई से आए डा. अभय दवली ने दूरबीन विधि से स्पीलीन और एडरनल ग्रन्थी के आपरेशन के बारे में बताया। सेमिनार के दूसरे सत्र में डा. नवीन कुमार ने पैनक्रियाज और लीवर में पाये जाने वाली गांठों की दूरबीन विधि से सर्जरी के बारे में बताया। डा. दीप गोयल ने बताया कि यदि पित्ताशय में कैंसर की आशंका हो तब भी और न हो तो भी, सर्जरी दूरबीन विधि से करनी चाहिए। कोयम्बटूर के डा. जान थानाकुमार ने बवासीर, भगन्दर, फिशुला की सर्जरी के बारे में बताया। अंतिम सत्र में डा. सयान देवदास गुप्ता ने पावर विजन पर चर्चा की। डा. अचल गुप्ता ने चिकित्सकों को जनरल लिखते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। डा. सुरेश वशिष्ठ ने ऑपरेशन की लीगल (न्याय सम्बन्धित) जटिलताओं पर आयोजित एक पैनल डिस्कसन की अध्यक्षता की। आयोजन चेयरमैन डा. एसके सागर ने बताया कि इस फैलोशिप कोर्स का उद्देश्य चिकित्सकों को लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में प्रशिक्षित करना है।

एसआरएमएस में होगा रोबोटिक सर्जरी सेंटर

संस्थान के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि जल्द ही यहां रोबोटिक सर्जरी सेंटर बनाया जाएगा। 2020 तक यह सुविधा शुरू हो जाएगी। यह क्षेत्र का संभवत: पहला रोबोटिक सर्जरी सेंटर होगा। नई दिल्ली के वरिष्ठ सर्जन डा. दीप गोयल ने बताया कि रोबोट अब सर्जरी में बहुत अच्छा योगदान कर रहे हैं।